इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 10 अंक : 11 जून 2018 पृष्ठों की संख्या 14

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ----------3
नयी नियुक्तियाँ----------4
विदेशी मुद्रा **----------5**
शब्दावली ----------6
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------6
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------6
संस्थान समाचार ----------7
नयी पहलकदमी ---------- 11
बाजार की खबरें ----------12

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए नये स्थिर निधीयन अनुपात निर्धारित किए

यह सुनिश्चित करने के लिए कि बैंक अधिक आघात-सहनीयता हेतु पर्याप्त अनिरुद्ध (liquid) संसाधन बनाए रखें भारतीय रिजर्व बैंक ने बासेल III चलनिधि मानकों में एक दीर्घावधि चलनिधि माप के रूप में शामिल 100 प्रतिशत का निवल स्थिर निधीयन अनुपात (NSFR) निर्धारित करते हुए अंतिम दिशानिर्देश जारी कर दिया है। उक्त निवल स्थिर निधीयन अनुपात में किसी बैंक के स्थिर निधीयन और चलनिधि जोखिम प्रोफाइल के पर्यवेक्षी निर्धारण को जोड़ (मिला) दिया जाएगा।

व्युत्पन्नियों के लिए और अधिक जोखिम प्रबंधन उपाय

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने व्युत्पन्नी खंड के लिए अतिरिक्त जोखिम प्रबंधन उपाय जारी किए हैं। 1 जून से प्रभावी होने वाले ये उपाय इक्विटी व्युत्पन्नी खंड के लिए मार्जिन वसूली आवश्यकता तथा अनिरुद्ध (liquid) निवल मालियत के परिकलन से संबन्धित हैं।

सूचीकरण नियमों के गैर-अनुपालन की जांच करने हेतु नया ढांचा

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने सूचीकरण की शर्तों के गैर-अनुपालन की जांच करने हेतु एक ऐसी अपेक्षाकृत सुदृढ़ व्यवस्था करने का कार्य आरंभ कर दिया है जिसमें शेयर बाज़ारों को प्रवर्तकों की शेयर-धारिता को जब्त करने, ऐसी चूककर्ता कंपनियों के शेयरों को गैर-सूचीबद्ध करने, गैर अनुपालक कंपनियों से जुर्माना वसूल करने, उनके शेयरों को प्रतिबंधित क्रय-विक्रय वाली श्रेणी में डालने तथा ऐसी कंपनियों के शेयरों के क्रय-विक्रय को निलंबित कर देने का अधिकार /की शक्ति प्राप्त होगा/होगी। ये नए नियम अनुपालन अवधि समाप्त हो जाने पर अथवा 30 सितंबर, 2018 के बाद प्रभावी होंगे।

भविष्य निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण ने नयी पेंशन निधि से आंशिक आहरण की स्वीकृति प्रदान की

पेंशन निधि विनियामक भविष्य निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) ने नयी पेंशन योजना के अभिदाताओं को उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने अथवा नया व्यवसाय आरंभ करने या अभिगृहीत करने हेतु उनके खातों से आंशिक रूप से निधियाँ आहरित करने की अनुमति प्रदान कर दी है। सक्रिय विकल्प (active option) श्रेणी में निवेश की उच्चतम सीमा भी नयी पेंशन योजना के निजी क्षेत्र के अभिदाताओं के लिए 50% से बढ़ाकर 75% कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, भविष्य निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण बोर्ड ने कारपोरेट बाँड़ों के मामले में निवेश श्रेणी की रेटिंग को एए से बदल कर ए करने के एक प्रस्ताव तथा एक अच्छे कारपोरेट अभिशासन के एक उपाय के रूप में साझे प्रबन्धक पद (stewardship) के अंगीकरण से संबन्धित एक प्रस्ताव को भी अनुमोदित कर दिया है।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक केंद्रीय सरकार द्वारा जारी खजाना बिलों में निवेश कर सकते हैं

अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को केंद्रीय सरकार द्वारा जारी खजाना बिलों (T-Bills) में निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा एक वर्ष से कम की अवशिष्ट परिक्वता वाली प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूतियों (G-secs), राज्य विकास ऋणों (SDLs) अथवा कारपोरेट बाँड़ों) में से किसी भी श्रेणी में निवेश उस विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के उस श्रेणी में कुल निवेश के 20% से अधिक नहीं हो सकता।

भारतीय रिजर्व बैंक ने आईएफएससी बैंकिंग इकाइयां स्थापित करने हेतु मानदंड आशोधित किए

भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय वित्तीय प्रणाली कूट (IFSC) बैंकिंग इकाइयां स्थापित करने हेतु मानदंडों को आशोधित कर दिया है। तदनुसार अब मूल बैंक से यह अपेक्षित होगा कि वह अपनी आईएफएससी बैंकिंग इकाई के लिए 20 मिलियन अमरीकी डालर की न्यूनतम पूंजी उपलब्ध कराये और उसे निरंतर रूप से बनाए रखे। हितधारकों ने भारतीय रिजर्व बैंक से यह अनुरोध किया है कि वह आईबीयू स्तर की बजाय मूल स्तर पर निर्धारित न्यूनतम विनियामक पूंजी पर विचार करे। हालांकि, आईबीयू के प्रति एक्सपोजर हेतु पूंजी सहित न्यूनतम निर्धारित विनियामक पूंजी निरंतर आधार पर मूल स्तर पर ही बनाए रखी जानी होगी। इसके अतिरिक्त मूल बैंक के लिए यह आवश्यक होगा कि वह आईबीयू को पूंजी/चलनिधि सहायता के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु चुकौती आश्वासन पत्र प्रदान करे।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	**पदनाम/संगठन**
श्री सुभाष चन्द्र खूंटिया	भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ( ) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त
श्री चरण सिंह	पंजाब एंड सिंध बैंक के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त
श्री तपन राय	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	25 मई, 2018 के दिन बिलियन रुपए	25 मई, 2018 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
1. कुल प्रारक्षित निधियाँ	28,134.8	4,12,824.1
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,444.9	3,87,597.3
1.2 सोना	1,449.2	21,700.7
1.3 विशेष आहरण अधिकार	102.3	1,498.5
1.4 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	137	2,075.40

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

जून, 2018 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	2.50800	2.69800	2.76900	2.79220	2.81080
जीबीपी	0.75000	0.9516	1.0687	1..1696	1.2526
यूरो	-0.21800	-0.128	0.026	0.172	0.321
जापानी येन	0.04750	0.066	0.085	0.093	0.115
कनाडाई डालर	2.14000	2.298	2.422	2.491	2.543
आस्ट्रेलियाई डालर	2.01250	2.124	2.220	2.474	2.571
स्विस फ्रैंक	-0.62000	-0.549	-0.395	-0.249	0.113
डैनिश क्रोन	-0.09720	0.0025	0.1374	0.2958	0.4565
न्यूजीलैंड डालर	2.10000	2.226	2.374	2.515	2.645
स्वीडिश क्रोन	-0.33500	-0.146	0.058	0.275	0.468
सिंगापुर डालर	1.78000	1.980	2.115	2.210	2.295
हांगकांग डालर	2.07000	2.350	2.520	2.620	2.690
म्यामार	3.76000	3.785	3.830	3.860	3.890

शब्दावली

निवल स्थिर निधियाँ अनुपात (NSFR)

निवल स्थिर निधीयन अनुपात को आवश्यक स्थिर निधीयन की रकम की तुलना में उपलब्ध स्थिर निधीयन की रकम के रूप में परिभाषित किया गया है। निवल स्थिर निधीयन अनुपात बैंकों के लिए अपने कार्यकलापों का निधीयन निरंतर आधार पर निधीयन के अधिक स्थिर स्रोतों से करना आवश्यक बना कर अपेक्षाकृत लंबी अवधि वाले समय संस्तर में आघात-सहनीयता को बढ़ावा देता है।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

निवल आस्ति मूल्य (NAV)

बकाया शेयरों की संख्या द्वारा विभाजित किसी परस्परिक निधि की धारिताओं (आस्तियों) में से देयताओं को घटाएँ)

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

जून 2018 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम	तिथियाँ	स्थल
प्रमाणित ऋण व्यावसायिक	12 से 14 जून, 2018	प्रौद्योगिकी पर आधारित
प्रमाणित ऋण व्यावसायिक	13 से 15 जून, 2018	बेंगलूरू
	11 से 13 जून, 2018	दिल्ली
	23 से 24 जून, 2018	दिल्ली
आवास वित्त	18 से 20 जून, 2018	चेन्नै
प्रमाणित खजाना व्यापारी	15 से 17 जून, 2018	मुंबई
	22 से 24 जून, 2018	मुंबई

संस्थान समाचार

परीक्षा शुल्क वसूल करने के नियमों में परिवर्तन

संस्थान ने 1 जुलाई, 2017 से सेवा कर के स्थान पर माल एवं सेवा कर (GST) प्रणाली अपना ली है। एसोसिएट, डिप्लोमा और मिश्रित पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा शुल्क वसूल करने के पूर्ववर्ती नियम में यह निर्धारण था कि अभ्यर्थियों को दो प्रयासों के लिए परीक्षा शुल्क का भुगतान एक साथ करना होगा। माल एवं सेवा शुल्क प्रावधानों का पालन करने तथा कर भुगतान प्रबंधन को सरल बनाने के लिए शुल्क वसूल करने से संबन्धित नियम को पुनर्विन्यस्त किया गया है। अब संस्थान प्रत्येक प्रयास के लिए अभ्यर्थियों से परीक्षा शुल्क अलग-अलग वसूल करेगा। अतएव, अभ्यर्थियों को प्रत्येक प्रयास के लिए अलग-अलग पंजीकरण करवाना होगा।

बैंकों में क्षमता निर्माण

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11 अगस्त, 2016 की अपनी अधिसूचना के द्वारा यह अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक बैंक के पास परिचालन के प्रमुख क्षेत्रों में उपयुक्त योग्यता/प्रमाणन सहित कर्मचारियों को परिनियोजित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक नीति होनी चाहिए। प्रारम्भिक तौर पर उन्होंने निम्नलिखित क्षेत्र अभिज्ञात किया है :

- खजाना प्रबंधन : व्यापारी, मिड आफिस परिचालन।
- जोखिम प्रबंधन : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-व्यापी जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम।
- लेखांकन – वित्तीय परिणाम तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य।
- ऋण प्रबंधन : ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन।

कालांतर में भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश पर भारतीय बैंक संघ ने उपयुक्त संस्थाओं एवं ऐसे पाठ्यक्रमों की पहचान के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया था, जो आवश्यक प्रमाणन प्रदान कर सकें। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस उनमें से एक तथा एकमात्र ऐसी

संस्था है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात चार में से तीन क्षेत्रों में उक्त प्रमाणन प्रदान करती है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित तथा प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस को पृष्ठांकित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र के तहत यह कहा है कि **भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ऐसे** सभी बैंक कर्मचारियों, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन के क्षेत्र में कार्यरत है या कार्य करने के इच्छुक हैं, के लिए एक अनिवार्य प्रमाणन होगा।

संस्थान द्वारा खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन और ऋण प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम आनलाइन परीक्षा के साथ प्रकृति की दृष्टि से मिश्रित हैं जिसके बाद उनमें
ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्होंने आनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा हेतु पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए वेबसाइट www.iibf.org.in.देखें।

जुलाई, 2018 से 7वें उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों और कार्यपालकों के लिए एक प्रबंधन पाठ्यक्रम उन्नत प्रबंधन पाठ्यक्रम (AMP) का संचालन करता है। सत्र मुख्यत: कुर्ला, मुंबई में स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग के लीडरशिप सेंटर में संचालित किए जाते हैं तथा इनका आयोजन सप्ताहांत/बैंक अवकाश के दिन किया जाता है।

इस पाठ्यक्रम की शुरुआत जुलाई, 2018 से होगी। अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.देखें।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू. के. के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित

होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में समर्थ होंगे।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए प्रमाणित ऋण परामर्शी (CCC) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए 11 जुलाई, 2017 को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक भागीदारी
करार किया। प्रमाणित ऋण परामर्शी बनने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा संचालित सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों पर एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने पर तथा उसके बाद भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा संचालित समुचित सावधानी जांच पूरी कर लेने के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणित ऋण परामर्शी के रूप में एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा में समाधान

संस्थान ने प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा वाली विधि के माध्यम से प्रशिक्षण संचालित करने हेतु एक साफ्टवेयर अभिगृहीत किया है। यह साफ्टवेयर गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी लाये बिना संस्थान को प्रशिक्षार्थियों की काफी बड़ी संख्या तक प्रशिक्षण सामग्री प्रसारित करने में समर्थ बनाएगा। वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रशिक्षण भी आरंभ कर दिया गया है। अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

परीक्षा के लिए छद्म जांच सुविधा

संस्थान अपने प्रमुख पाठ्यक्रमों यथा जेएआईआईबी और सीएआईआईबी के अलावा अपने तीन विशिष्टीकृत पाठ्यक्रमों नामत: प्रमाणित खजाना व्यावसायिक, प्रमाणित ऋण व्यावसायिक तथा वित्तीय सेवाओं में जोखिम के लिए छद्म जक्ष्च की सुविधा प्रदान कर रहा है। अब छद्म जक्ष्च में किसी भी बैंक का कर्मचारी शामिल हो सकता है।

वीडियो व्याख्यान अब यूट्यूब पर उपलब्ध

संस्थान द्वारा जेएआईआईबी के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्रों और सीएआईआईबी के दो अनिवार्य प्रश्नपत्रों के लिए प्रदान की जाने वाली वीडियो व्याख्यान की सुविधा संस्थान के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। उसके लिए लिंक है https:/ www.youtube.com/channel/UCjfflktvEh8yLb3vwxosGow/playlists"

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

इसके पूर्व संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता था। **अब ऊपर वर्णित परीक्षाएँ प्रत्येक महीने के 1ले और 3रे शनिवारों को आयोजित की जाएंगी।** अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के अप्रैल - जून, 2018 के अंक के लिए निर्धारित विषय-वस्तु है "अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग" और जुलाई -सितंबर, 2018 के अंक के लिए "जोखिम प्रबंधन"। सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के तिमाही जर्नल में प्रकाशन हेतु आलेख भेज कर योगदान करें।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान मेँ इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे मेँ पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों मेँ प्रश्नपत्र तैयार

किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि मेँ कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से समाधान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध मेँ प्रश्नपत्रों मेँ समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र मेँ 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों
और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र मेँ 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1॰ प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय

पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

4. संपाद्क का नाम : डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र

राष्ट्रीयता : भारतीय

पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम : आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा,
मुंबई- 400 005

6. स्वामियों के नाम एवं पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31-03-2017

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 69228/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

5.98
5.96
5.94
5.92
5.9

5.88
5.86
5.84
5.82

दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, मई, 2018
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूज़लेटर, मई, 2018

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

100
90
80
70
60
50

अमरीकी डालर
जीबीपी
यूरो
येन

दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, मई, 2018
स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक (R B I)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

20
15
10
5
0

नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मई, 2018

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

38000.00

36000.00
34000.00
32000.00
30000.00
28000.00
26000.00
दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, मई, 2018

14

स्रोत : बंबई शेयर बाजार (B S E)

समग्र जमा वृद्धि %

10
9
8
7
6
5
4
3
2
1

नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मई,, 2018

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332

तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विजन जून, 2018